

Proposal to encode the KAITHI VOWEL SIGN VOCALIC R

Srinidhi A
srinidhi.pinkpetals24@gmail.com

Sridatta A
sridatta.jamadagni@gmail.com

June 24, 2020

1 Introduction

This document requests to encode the Vowel sign of Vocalic R used in Kaithi script. The details regarding glyph, code point and character name are mentioned below.

110C2 KAITHI VOWEL SIGN VOCALIC R

2 Background and Description

The original proposal of Kaithi (L2/07-418, page no 23) mentions the existence of vowel sign of Vocalic R. However it was not proposed as independent vowel letter is not attested in Kaithi. The corresponding portion from proposal is given below.

VOCALIC R The vowel sign ृ for the Kaithi equivalent of ऋ U+090B DEVANAGARI LETTER VOCALIC R (ṛ) appears in several documents. It's use typically suggests an attempt to strictly preserve the pronunciation or to represent the origin of Sanskrit loan words in regional languages. The independent vowel letter does not appear to exist in Kaithi; the consonant-vowel combination ॠ ri (KAITHI LETTER RA + KAITHI VOWEL SIGN ॠ) is used as a substitute. The sign is shown in writing in the specimen below as a part of a consonant-vowel ligature (ॠ) with KAITHI LETTER KA:⁶⁸

Devanagari	Kaithi	Mahajani	English
ॠक	ॠकृ	ॠकृ	rikri

The example below shows this sign used in print for transcribing the word *dr̥ṣṭi* in Kaithi:⁶⁹

पनचोकमे इगणित हो उपनको ॠष्टि कन जति

Since the independent letter for a Kaithi ṛ has not been identified, it remains unclear whether the dependent vowel sign should be proposed for encoding.

As mentioned in the proposal the independent vowel letter of ṛ is not attested in the Kaithi documents so far examined by us. ṛ is generally written as ri or rī. However distinct character for vowel sign Vocalic R is attested in words of Sanskrit origin (tatsama) in many Kaithi documents like handwritten manuscripts, primers and printed books. The glyph of the proposed character in Kaithi is same as ृ U+0943 DEVANAGARI VOWEL SIGN VOCALIC R.

Hence we propose to encode this character to represent these texts accurately despite the lack of independent vowel letter.

3 Character properties

- Unicode character data:
110C2; KAITHI VOWEL SIGN VOCALIC R; Mn; 0; NSM; ; ; ; ; N; ; ; ; ;
- Indic_Syllabic_Category= Vowel_Dependent
- Linebreak = CM
- Indic_Positional_Category= Bottom

4 References

[1] Eastwick, Edward Backhouse. *A concise grammar of the Hindústání language: to which are added, selections for reading*. B. Quaritch, 1858.

[2] Greaves, Edwin. *Hindi grammar* Printed at The Indian Press Ltd, Allahabad, 1921

[3] Grierson, George Abraham. *A handbook to the Kaithi character*. Thacker, Spink, and Company, 1881.

[4] Pandey, Anshuman. "Proposal to Encode the Kaithi Script in ISO/IEC 10646." (2007).

[5] विजय शंकर मल्लिक सुधापति. कैथी लिपि सीखने की प्रारंभिक पुस्तक (Vijaya Śaṅkara Mallika Sudhāpati .
Kaithī lipi sīkhanē kī prāraṁbhika pustaka)

[6] http://www.museumsofindia.gov.in/repository/record/alh_ald-AM-MSS-217-38-18315

HINDĪ IN KAITHĪ CHARACTERS,
Luke, Chap. XVI. v. 19, &c.

लूकखिप्पित सुसमायान।

१६ सोसहवां पर्यं ।

वनवान श्री दनिद्वका दृष्ठां ।

कोई वनवान था जो लाल और मिहीन बस्त्र
पहता और दिन दिन सुप्यसे प्याता पीता रहता था।
और इसियासन नाम कोई कंगाल था जो घावोंसे
भ्रना हो वनवानके फाटक पर गया और
उन यून्यानोंसे जो उसके भोजनसे ग्रय रहते थे
प्याने माहता था; कुछेभो आसके उसके घावोंको
यादते थे; कुछ दिन पीछे कंगाल मन गया और
खर्गी दूतोसे इब्राहीम के निकट पहुंचाया गया।
वनवान श्री मन गया और गाड़ा गया; परंतु
पनखोके दुःखित हो उपनको दृष्टि कर प्रति
दूनसे इब्राहीमको और उसके निकट इसियासनको
देष्य विलसाके बोला कि हे पिता इब्राहीम, मुहुपन
दया करके इसियासनको भोज हीजिये कि वह अपनी
अंगुली के छोनको जखमें तुमके मेरी जीभको ठंडी

Figure 1. The proposed character used in the word dṛṣṭi. The language is Hindi (from [1]).

कने कोणिकि मै इस आगकी जवाबासे कसपता हूँ।
 परंतु इब्राहीमने कहा कि हे पुत्र, सगल कन कि तूने
 संसानमें हो अपनी अच्छी वस्तु पाईं औ इलिया-
 सनने वैसाही दुनो वस्तु; सो अरु यह शांति पावता है
 औ तू कसपता है। हमाने औ तुम्हाने बीचमें ऐसा
 बड़ा अंतर है कि इस स्थानके लोग उस स्थानमें
 औन उस स्थानके लोग इस स्थानमें आने जाने
 नहीं सकते हैं। तब उसने कहा कि हे पिता, मै तेनी
 बिनती करता हूँ, मेने पिताके घरमें पांय आई
 मेने है, उनको साजी देनेको इलियासनको नेज
 दीजिये, न होवे कि वे नी इस पीड़ाके स्थानमें आवें।
 इब्राहीमने कहा कि मूसा औ अविष्यद्गताओंके ग्रंथ
 उनके निकट हैं, याहिये कि वे उनकी सुनें। उसने
 कहा कि हे पिता इब्राहीम, सो नहीं, परंतु जौ मृतकों-
 मेंसे कोई उनके निकट जावे तो वे मन फिरा-
 वेंगे। इब्राहीमने कहा कि जौ वे मूसा औ अविष्य-
 द्गताओंको बात न सुनें तो मृतकोंमेंसे किसीके उठ-
 नेके कारणासे वे नहीं मारेंगे।

Figure 2. The proposed character used in the word mṛtakōṛṇ. The language is Hindi (from [1]).

30. The Kaithi Alphabet.

अ	श्र	च	य ३	प	प
आ	श्री १	छ	छ	फ	फ
इ	रि २	ज	ज	ब	ब
ई	रि ३	झ	झ	भ	भ ४
उ	उ ३	ञ		म	म ५
ऊ	ऊ ३				
ऋ	६	ट	ट	य	य
ए	ए १	ठ	ठ	र	र
ऐ	ऐ २	ड	ड	ल	ल ७
ओ	ओ ३	ढ	ढ	व	व
औ	औ ३	ण	ण		
क	क	त	त	श	श
ख	ख ५ १	थ	थ	ष	ष
ग	ग	द	द	स	स
घ	घ २	ध	ध		
ङ		न	न	ह	ह

Figure 3. Use of vowel sign vocalic r in Kaithi and comparison of Kaithi and Devanagari alphabets (from [2]).

संयुक्ताक्षर युक्त शब्द (मिथिला)							
उभयानी	तुम्हरी	सज्जन	सज्जन	बान्धनकथानी	बन्धनकारी	वाणीकी	वाणीकी
कृती	कृती	प्रपन्न	प्रपन्न	नीर्योडन	तीर्थकर	धुतरात्र	धुतरात्र
दौध	दौध	पल्लव	पल्लव	पनीसुम	परीसम	आँस	आँस
रिज	रिज	कृतीत्व	कृतीत्व	कर्त्तव्योद्य	कर्त्तव्योद्य	बृन्दबान	बृन्दबान
उपयुक्त	अयुक्त	प्रत्यक्ष	प्रत्यक्ष	विस्तृत	विस्तृत	ठहर	ठहर
सिद्धांति	सिद्धांति	त्रिगुणी	त्रिगुणी	पनीडन	बर्कर	विश्वंशु	विश्वंशु
चतुर्गुण	चतुर्गुण	स्वर्ध	स्वर्ध	धुवगाना	धुवगाना	अर्धित	अर्धित
उर्ध	उर्ध	दुर्ध	दुर्ध	आर्धुण	फर्धुण	धुर्धुवा	कृत्तव्य
धुर्धुवा	धुर्धुवा	दुर्धुवा	दुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा
अर्धित	अर्धित	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा
धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा
धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा
धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा	धुर्धुवा

नोट:- प्रेनर, मगध ध अन्धध कान्धधधध संयुक्ताक्षरों का प्रयोग नहीं किया गया है।

Figure 6. Use of vowel sign vocalic r in a primer to learn Kaithi script in the words kṛtī, dhṛtarāṣṭra, bṛndābana, kartṛbācyā and ḥṛdaai in Mithila form of Kaithi (from [5]).

देवनागरी - भाषा हिन्दी

श्री मैत्रेय आज दास की शोचपत्रक पुस्तक "कैथी लिपि का इतिहास" का मैत्रेय उल्लेख करता है कि अवलोकन किताबों की इनकी अन्वेषी-दृष्टि और अधिक साधना से आश्चर्य हुआ। इनके अंतर एक अनुसंधान से एकट्ट जिज्ञासा और छात्री दूरी के धारक का खींचे हैं।

अनुतः 'लिपि' का इतिहास मात्र सभ्यता के विकास के साथ जुड़ा है। भाषा और लिपि में संकेत चिह्नों का प्रयोग और प्रत्यक्ष का आधार प्रकृति और जीवन के विभिन्न उपादान हैं। मनुष्य में अनुकरण की लक्ष्य प्रकृति होता है। उनकी इस प्रकृति को एक प्रकृतिक मानकर यह सब करने को उद्भव हुआ है। कैथी लिपि के ज्ञानकर्तों की संख्या प्रायः नगण्य सा हो चुका है। अतः इसमें प्राण रूकने हेतु इस तरह की पुस्तक का निर्माण अस्मानशुभक जान पड़ा। पता नहीं कितने लोग इससे लाभ उठा पायेंगे। जो भी ही प्रकृति काव्य नदि फल मखी रही न सींचे नीर। परमारघ के कारण साधुन चरा शरीर। अधिक से अधिक लोग कैथी सीखें - यही लक्ष्य समझा हो।

कैथी - भाषा हिन्दी

श्री मैत्रेय आज दास की शोचपत्रक पुस्तक "कैथी लिपि का इतिहास" का मैत्रेय उल्लेख करता है कि अवलोकन किताबों की इनकी अन्वेषी-दृष्टि और अधिक साधना से आश्चर्य हुआ। इनके अंतर एक अनुसंधान से एकट्ट जिज्ञासा और छात्री दूरी के धारक का खींचे हैं। अनुतः 'लिपि' का इतिहास मात्र सभ्यता के विकास के साथ जुड़ा है। भाषा और लिपि में संकेत चिह्नों का प्रयोग और प्रत्यक्ष का आधार प्रकृति और जीवन के विभिन्न उपादान हैं। मनुष्य में अनुकरण की लक्ष्य प्रकृति होता है। उनकी इस प्रकृति को एक प्रकृतिक मानकर यह सब करने को उद्भव हुआ है। कैथी लिपि के ज्ञानकर्तों की संख्या प्रायः नगण्य सा हो चुका है। अतः इसमें प्राण रूकने हेतु इस तरह की पुस्तक का निर्माण अस्मानशुभक जान पड़ा। पता नहीं कितने लोग इससे लाभ उठा पायेंगे। जो भी ही प्रकृति काव्य नदि फल मखी रही न सींचे नीर। परमारघ के कारण साधुन चरा शरीर। अधिक से अधिक लोग कैथी सीखें - यही लक्ष्य समझा हो।

Figure 7. Use of vowel sign vocalic r in Kaithi during transliteration of Hindi language text from Devanagari to Kaithi. It is used in words prakṛti, pravṛti and vṛcha (from [5]).

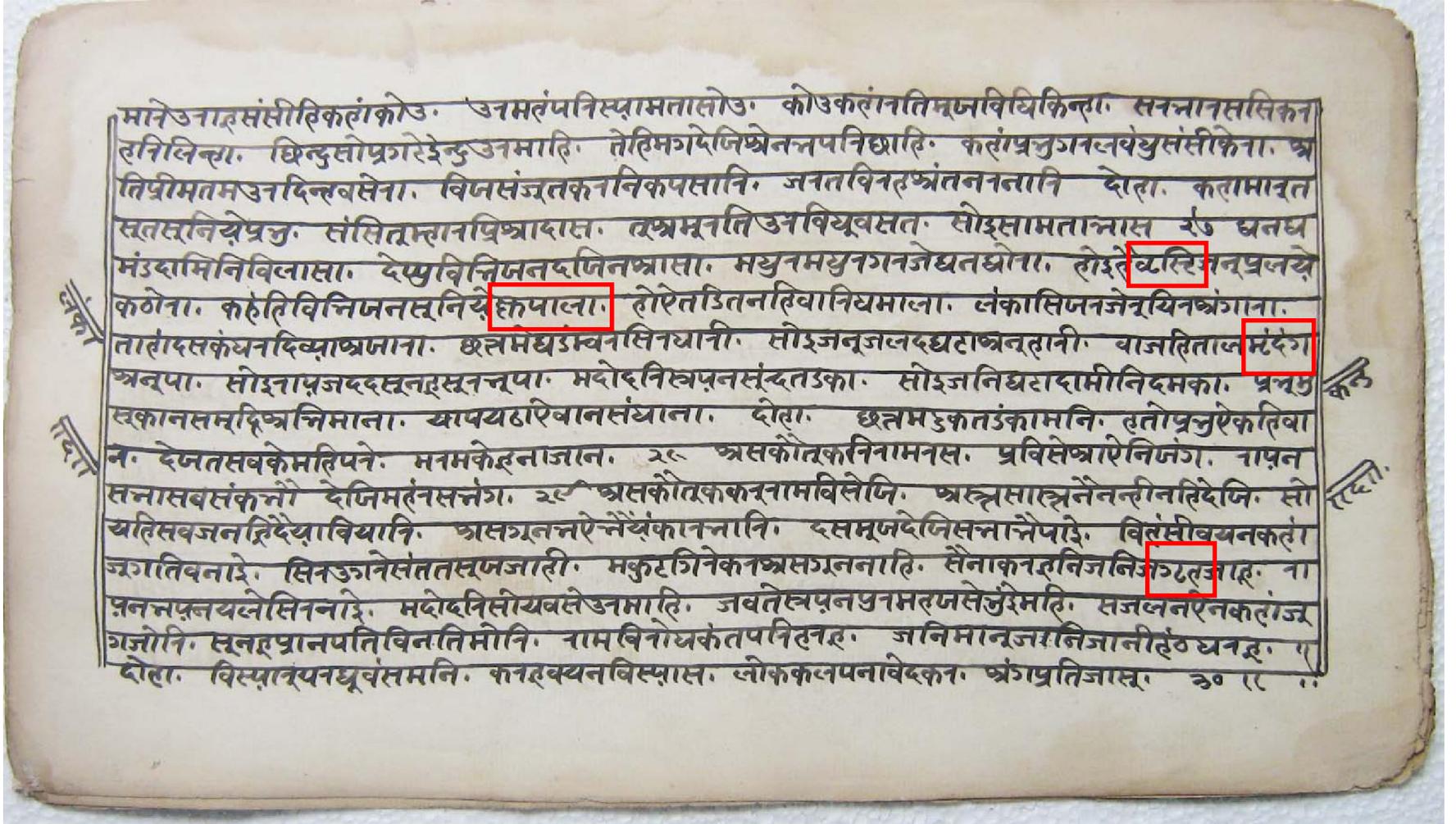


Figure 8. A folio of Lankākānda chapter of Rāmācaritāmānasa manuscript written in Kaithi script. The language is Awadhi. The proposed character occurs in the words br̥ṣṭi, kr̥pālā, mṛdaṅga and gṛha .

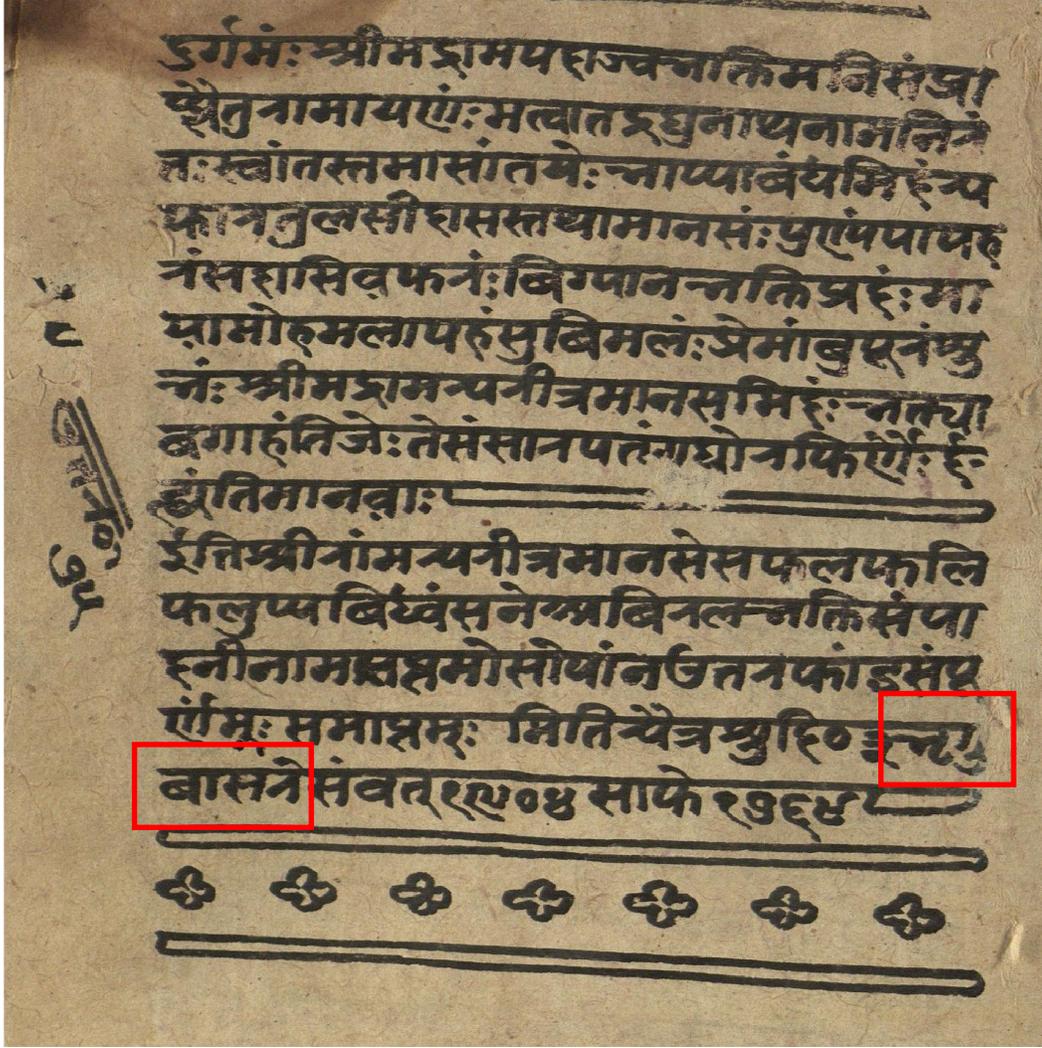


Figure 9. A folio of Rāmacaritamānasa manuscript written in Kaithi script, though it has Devanagari influence in some letters. The proposed character occurs in the bhṛgubāsarē. The manuscript is dated Virama Samvat 1904/Saka 1769 which corresponds to 1847 CE (from [6]).

ISO/IEC JTC 1/SC 2/WG 2

PROPOSAL SUMMARY FORM TO ACCOMPANY SUBMISSIONS

FOR ADDITIONS TO THE REPERTOIRE OF ISO/IEC 10646¹.

Please fill all the sections A, B and C below.

Please read Principles and Procedures Document (P & P) from <http://std.dkuug.dk/JTC1/SC2/WG2/docs/principles.html> for guidelines and details before filling this form.

Please ensure you are using the latest Form from <http://std.dkuug.dk/JTC1/SC2/WG2/docs/summaryform.html>.

See also <http://std.dkuug.dk/JTC1/SC2/WG2/docs/roadmaps.html> for latest *Roadmaps*.

A. Administrative

1. Title:	Proposal to encode the KAITHI VOWEL SIGN VOCALIC R
2. Requester's name:	Srinidhi A and Sridatta A
3. Requester type (Member body/Liaison/Individual contribution):	Individual Contribution
4. Submission date:	June 24, 2020
5. Requester's reference (if applicable):	
6. Choose one of the following:	
This is a complete proposal:	Yes
(or) More information will be provided later:	

B. Technical – General

1. Choose one of the following:	
a. This proposal is for a new script (set of characters):	
Proposed name of script:	
b. The proposal is for addition of character(s) to an existing block:	Yes
Name of the existing block:	Kaithi
2. Number of characters in proposal:	1
3. Proposed category (select one from below - see section 2.2 of P&P document):	

¹ Form number: N4502-F (Original 1994-10-14; Revised 1995-01, 1995-04, 1996-04, 1996-08, 1999-03, 2001-05, 2001-09, 2003-11, 2005-01, 2005-09, 2005-10, 2007-03, 2008-05, 2009-11, 2011-03, 2012-01)

A-Contemporary	<input type="checkbox"/>	B.1-Specialized (small collection)	<input type="checkbox"/>	B.2-Specialized (large collection)	<input checked="" type="checkbox"/>
C-Major extinct	<input type="checkbox"/>	D-Attested extinct	<input type="checkbox"/>	E-Minor extinct	<input type="checkbox"/>
F-Archaic Hieroglyphic or Ideographic	<input type="checkbox"/>			G-Obscure or questionable usage symbols	<input type="checkbox"/>

4. Is a repertoire including character names provided? Yes
- a. If YES, are the names in accordance with the “character naming guidelines”
in Annex L of P&P document? Yes
- b. Are the character shapes attached in a legible form suitable for review? Yes

5. Fonts related:
- a. Who will provide the appropriate computerized font to the Project Editor of 10646 for publishing the standard?
Not necessary. The glyph can be borrowed from Devanagari.
- b. Identify the party granting a license for use of the font by the editors (include address, e-mail, ftp-site, etc.):
NA

6. References:
- a. Are references (to other character sets, dictionaries, descriptive texts etc.) provided? Yes
- b. Are published examples of use (such as samples from newspapers, magazines, or other sources)
of proposed characters attached? Yes

7. Special encoding issues:
- Does the proposal address other aspects of character data processing (if applicable) such as input, presentation, sorting, searching, indexing, transliteration etc. (if yes please enclose information)? Yes
- See the text of proposal.*

8. Additional Information:

Submitters are invited to provide any additional information about Properties of the proposed Character(s) or Script that will assist in correct understanding of and correct linguistic processing of the proposed character(s) or script. Examples of such properties are: Casing information, Numeric information, Currency information, Display behaviour information such as line breaks, widths etc., Combining behaviour, Spacing behaviour, Directional behaviour, Default Collation behaviour, relevance in Mark Up contexts, Compatibility equivalence and other Unicode normalization related information. See the Unicode standard at <http://www.unicode.org> for such information on other scripts. Also see Unicode Character Database (<http://www.unicode.org/reports/tr44/>) and associated Unicode Technical Reports for information needed for consideration by the Unicode Technical Committee for inclusion in the Unicode Standard.

C. Technical - Justification

1. Has this proposal for addition of character(s) been submitted before?	No
If YES explain	
2. Has contact been made to members of the user community (for example: National Body, user groups of the script or characters, other experts, etc.)?	No
If YES, with whom?	
If YES, available relevant documents:	
3. Information on the user community for the proposed characters (for example: size, demographics, information technology use, or publishing use) is included?	No
Reference:	
4. The context of use for the proposed characters (type of use; common or rare)	common
Reference:	
5. Are the proposed characters in current use by the user community?	No
If YES, where? Reference:	<i>Kaithi script is not in active use today.</i>
6. After giving due considerations to the principles in the P&P document must the proposed characters be entirely in the BMP?	N/A
If YES, is a rationale provided?	
If YES, reference:	
7. Should the proposed characters be kept together in a contiguous range (rather than being scattered)?	N/A
8. Can any of the proposed characters be considered a presentation form of an existing character or character sequence?	No
If YES, is a rationale for its inclusion provided?	
If YES, reference:	
9. Can any of the proposed characters be encoded using a composed character sequence of either existing characters or other proposed characters?	No
If YES, is a rationale for its inclusion provided?	

If YES, reference:	
<hr/>	
10. Can any of the proposed character(s) be considered to be similar (in appearance or function)	
to, or could be confused with, an existing character?	Yes
If YES, is a rationale for its inclusion provided?	Yes
If YES, reference:	<i>It is similar to U+0943 DEVANAGARI VOWEL SIGN VOCALIC R.</i>
<hr/>	
11. Does the proposal include use of combining characters and/or use of composite sequences?	Yes
If YES, is a rationale for such use provided?	Yes
If YES, reference:	<i>It is a combining mark. See the text of the proposal for details</i>
Is a list of composite sequences and their corresponding glyph images (graphic symbols) provided?	
If YES, reference:	
<hr/>	
12. Does the proposal contain characters with any special properties such as	
control function or similar semantics?	No
If YES, describe in detail (include attachment if necessary)	
<hr/>	
<hr/>	
<hr/>	
13. Does the proposal contain any Ideographic compatibility characters?	No
If YES, are the equivalent corresponding unified ideographic characters identified?	
If YES, reference:	